BAL BHARATI PUBLIC SCHOOL, PITAMPURA, DELHI – 110034

CLASS IX - SANSKRIT

Elesson - 9 SANSKRIT - 21st April

पाठ - 2 स्वर्णकाकः (सोने का कौआ)

छात्रो! आपके लिए शेमुषी पुस्तक का पाठ-2 स्वर्णकाकः तीन कक्षाओं में भेजा जाएगा। आप अनुच्छेद को दिए गए संकेतों की सहायता से समझें व अनुच्छेद पर आधारित प्रश्नों के उत्तर इस पृष्ठ के Print-out में अथवा कॉपी में लिखें।

सहायता के लिए देखें :- https://youtu.be/1-6owSIH8wO

1 पुरा कस्मिंश्चिद् ग्रामे एका निर्धना वृद्धा स्त्री न्यवसत्। तस्याश्चैका दुहिता विनम्रा मनोहरा चासीत्। एकदा माता स्थाल्यां तण्डुलान्निक्षिप्य पुत्रीमादिदेश- सूर्यातपे तण्डुलान् खगेभ्यो रक्ष। किञ्चित्कालादनन्तरम् एको विचित्रः काकः समुड्डीय तामुपजगाम।

* सन्धिच्छेद - तस्याश्चैका - तस्याः + च + एका

तण्डुलान्निक्षिप्य - तण्डुलान् + निक्षिप्य

पुत्रीमादिदेश - पुत्रीम् + आदिदेश

किञ्चित्कालादनन्तरम् - किञ्चित् + कालात् + अनन्तरम्

तामुपजगाम - ताम् + उपजगाम

* आपको प्रत्येक अनुच्छेद से तीन तरह के प्रश्न पूछे जाएँगे।

I एकपदेन उत्तरत II पूर्णवाक्येन उत्तरत III भाषिक-कार्यम्

एकपदेन व पूर्णवाक्येन प्रश्नों के उत्तर देने में संभवतः आपको कठिनाई नहीं होगी। आप सातवीं व आठवीं कक्षा में ऐसे प्रश्नों के उत्तर लिखने में अभ्यस्त हैं। भाषिक-कार्यम् के प्रश्नों को समझकर उसका उत्तर दिए गए विकल्पों में से चुनना होता है। अब मैं आपको बताती हूँ कि भाषिक-कार्यम् में किस तरह के प्रश्न पूछे जाते हैं :- (i) कर्ता व क्रिया → प्रत्येक वाक्य में एक कर्ता (Subject) व एक क्रिया (verb) होती है।

(ii) विशेषण-विशेष्य - प्रायः वाक्यों में संज्ञा (विशेष्य) तथा उसके विशेषण दिए गए होते हैं।

(iii) सर्वनाम कस्मै प्रयुक्तम् - प्रायः वाक्यों में से 'सर्वनाम' किसके

CS Scanned with CamScanner

लिए प्रयुक्त हुआ है- यह पूछा जाता है। इसके लिए सर्वनाम को पहचानकर उसके संज्ञापद को चतुर्थी में बताया जाता है।

(iv) विपर्यय (विलोम) या पर्याय पद :- कोई भी शब्द देकर अनुच्छेद में से उसका विपर्यय/ पर्याय पूछा जाता है।

उत्तर लिखने से पूर्व गद्यांश को भली प्रकार समझें।

I एकपदेन उत्तरत :-

(i) निर्धना वृद्धा स्त्री कुत्र न्यवसत् ?

(ii) विनम्रा मनोहरा च का आसीत् ?

II पूर्णवाक्येन उत्तरत :-

(i) माता स्थाल्यां तण्डुलान्निक्षिप्य किम् पुत्रीं किम् आदिदेश ?

(ii) कालादनन्तरम् कः तामुपजगाम ?

III भाषिक-कार्यम् :-

(i) 'न्यवसत्' क्रियापदस्य कर्तृपदं किमस्ति ? (क) स्त्री (ख) दुहिता (ग) काकः

(ii) 'स्त्री' पदस्य विशेषणपदं किमस्ति ? (क) विनम्रा (ख) निर्धना (ग) मनोहरा

(iii) 'पुत्री' पदस्य पर्यायपदं चिनुत । (क) वृद्धा (ख) स्त्री (ग) दुहिता

(iv) 'ताम्' सर्वनामपदं कस्मै प्रयुक्तम् ? (क) दुहित्रे (ख) मात्रे (ग) काकाय

* गद्यांश का सरलार्थ :

प्राचीन समय में किसी गाँव में एक गरीब, बूढ़ी औरत रहती थी। उसकी एक पुत्री विनम्र स्वभाव वाली और सुन्दर थी। एकदिन माता ने थाली में चावलों को रखकर पुत्री को आदेश दिया- सूर्य की धूप में चावलों को पक्षियों से बचाओ। कुछ समय बाद एक विचित्र कौआ उड़कर उसके पास आया।

* आप NCERT की साइट से पुस्तक के इस पाठ को download कर सकते हैं। पाठ के अन्त में कठिन शब्दों के अर्थ भी दिए गए हैं।

—x—

Scanned with CamScanner